

DPN5418

Title :

जहारा पूरुके मन्त्र

JHARA PURKE MANTRA

Run. No. 6109

Cat. No.

Micro. No.

Subject mantra/Hom

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

नूतन दिशतः
newa direction

Size in cms. 20.5 x 8.5

Folios 6

Lines (in a page) 6/7

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. : Hom 81 3

Material : palmleaf / paper / thyasaphu /

mantra - monograms,

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ किमि न इह तस्यार्थः ॥ ध्यान ॥
 विष्णुजपलपंकजालसगियः लोहवाग्बलपुण्यपलये ॥ इति गस
 तयः थडाककखलायः गतं नमो नुजुलाः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ वज्रवाताहिसर्वदुर्गम ॥ रुक ॥ रुक ॥ रुक ॥
 त्याहा ॥ ध्यान ॥ ध्यान ॥ ध्यान ॥ ध्यान ॥ ध्यान ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नाजा मनी नौदसनः पिता नाम के मं ॥ संधान ही
 सिताद्वक रर्याः ॥ हीः संगा का ग्रीः जाजा नाम
 क के ज्ञायाः ॥ ध्यान ॥ ध्यान ॥ ध्यान ॥ ध्यान ॥ ध्यान ॥
 ध्यान ॥ ध्यान ॥ ध्यान ॥ ध्यान ॥ ध्यान ॥
 सत्य नाम या मं नुजुलः मं नुजुलः मं नुजुलः मं नुजुलः मं नुजुलः

धोतः विविस्ववरागः प्राग्वृष्याः वृषुकिः वसा
ः श्रीनीः वृषाः वृषिः सर्वदुतः कर्म मंगल मङ्गलीः
धन ॥ अमं जपनपाडा विनासे मं याडाडाः
लोकावस्ययायजुताः ॥ ५३॥

२५ श्री गुरुग्यापाः माहानीः माहानीः सिद्धिमा
हानीः का मूनी माहानीः सिद्धि माहानीः स्वाहोः
धन ५ मनुखेया कोताकसः माहनीरुयः मनु
खेया दाक कायाडाः मूताननया कापालसः मनु
खया दाकद्वडाडा यितालनित्र अन माहनीरुय
मिसाकिव केवस्यजुताः वरुदसि कुडू माल ॥ ५४ ॥

१५ आमुत्र साक्षाः किं किं सवक्रिः स्वाहा ॥
 धार ॥ ५५ सा कया मुं या यजुलाः ई ग वान कुकु
 माल जुलाः नु किल स मुं या डा डाः धलिन स गा यं जु
 ला ॥ ५६ ॥ ५७ आमुत्र साक्षाः दान लक्ष्मीं दान स्वाहाः
 जामि किमीः मन रका २ रू दान स्वा ला धार १ लख
 जप या डा डा धान केः कि निया मान न जुनः वाल स ता व सि

१८ नमस्ति द्विमुत्र साक्षाः ऊँ मम द्वा राज न हि ॥ धा ॥ ६ मया
 नमिः साक्षाः ॥ सा गु या रु स ल लपः माल या य उ न न न दू दू
 २ कुरु ना कि म्या ना प्र हा जा क रि जा हा जा हाः ग र्नि गा हा म
 र्नि ज स्य कि गा कि पा स स व ला के गः जा य स्व ग्री या म य
 पा स सा ५५ न व न्य जा गि नि का साः ग्व न र व ना य कि वा चाः
 मु नि क रा गि म्य न्य स ति ॥ ५६ उ न कि रु न कि रु न मी ग्री
 वा स ना मु द्या रि ना म जि के द वि र ला डिः म्य न्य रा ति रु रु

किसिगिः दु मीग्रिष्ठसु कावावा. ॐ स्वा मि संप्र गरी न्दमि
 खगकभा आ नीम ॐ ठा मो क साधु ॐ दुलसाधु ॐ त्र
 त साधु ॐ सीधु त सा ॐ मूर् ॐ साधुः गिया मीचलाः गिया
 मय स ॐ नू का गा के जनि के गा मरा ता कज निः वा ता हिया
 धीना गना गुरु न म ॐ ह ॐ खनः ॐ मा हा द वा का वा द्या ॥
 खान स म ॐ या ये मिसा ॐ के म ॐ ग्र सु ए ॥ मि ॐ के

ॐ ह्रीं
 ॐ ह्रीं ॐ ह्रीं ॐ ह्रीं
 ॐ ह्रीं ॐ ह्रीं ॐ ह्रीं
 ॐ ह्रीं ॐ ह्रीं ॐ ह्रीं

सानयोन लव नापनिना
 पक्र वा या ॐ मिसा या ॐ स
 तस्य मिजन वा के म ॐ न ॐ

मना च न ॐ समु खान
 यान लि ॐ नाप नि ॐ
 धव क वा या ॐ मी
 सा या ॐ स तस्य मि
 जन या क म न ॐ न क
 जे नु ल ला सु र

ॐ	हूँ	द	नं	वं	न	द	वै
नं	हूँ	द	नं	वं	न	द	वै
नं	हूँ	द	नं	वं	न	द	वै
नं	हूँ	द	नं	वं	न	द	वै
नं	हूँ	द	नं	वं	न	द	वै

१७ सः द्विजिनः स्वयं सा
नया तानि प्रसन्नान्
इति निनञा काप नरा
चाष्टेना मद्व्य इत्य
गु या पिडाको रीसी
उ ग यः लाकन समन कया गस्त